कार्यक्रम का नाम : **स्वच्छता एवं स्वास्थ्य**

दिनांक : **11.09.2019**

टॉपिक : **बच्चो में होने वाले सामान्य रोग**

विशेषज्ञ : **डॉ. योगेश यादव, शिशु रोग विशेषज्ञ**

जे. के. लोन अस्पताल जयपुर

5 वर्ष तक के बालको में अलग–अलग प्रकार के वायरस बेक्टेरिया जनित रोग होते है क्यो कि बच्चे सामान्यतः जल, मिट्टी में खेलते है, जिससे यह बैक्टेरिया एवं वायरस बच्चो में संक्रमण कर रोग उत्पन्न करते है। बच्चो में सामान्यतः निम्न रोग पाये जाते है–

- **निमोनिया :–**

  यह बच्चो में होने वाला सामान्य प्रकार का संक्रमण है जिससे सालाना लगभग 700000 बच्चो की मौत हो जाती है इस रोग की रोकथाम के लिए विभिन्न प्रकार की एन्टी–बाईटीक का उपयोग किया जाता है

- **डायरिया :–**

  यह एक संक्रामक रोग है जिसमें बच्चो में उल्टी–दस्त की शिकायत रहती है अधिक संक्रमण होने से यह घातक भी होती है इसके उपचार हेतु एन्टी–बाईटीक का उपयोग निरन्तर अच्छा भोजन व उचित तरल पदार्थ का उपयोग किया जाता है।

- **मलेरिया :–**

  निमोनिया व डायरिया के बाद सबसे सामान्य बिमारी मलेरिया है जो दुनिया की तीसरी घातक बिमारी है, प्रतिवर्ष 274000 बच्चो की इस बिमारी से मृत्यु हो जाती है इसकी रोकथाम हेतु स्वच्छता का विशेष ध्यान रखा जाता है, आस–पास पानी को इकठ्ठा न होने देना। रोग होने पर उचित एन्टी–बाईटीक का उपयोग करना आदि।

- **क्वाशियोरकोर :–**

यहा एक प्रकार का पोषण से सम्बन्धित रोग है जिसमें बच्चे में लगातार प्रोटिन की कमी के कारण बच्चा कमजोर व दुबला–पतला होता जाता है

- **फंगल इन्फेक्शन :–**

  फंगल इन्फेक्शन में बच्चो के शरीर पर लाल दाने हो जाते है यह दाने कंधे, पीठ, ठोडी, चेहरे पर होते है, अगर सफाई का ध्यान न रखा जाये तो ये शरीर पर फैल जाते है इसकी रोकथाम हेतु स्वच्छता का ध्यान रखा जाना चाहिए।